राष्ट्रीय जैविक संस्थान

हिंदी पटल

परिचय :

राष्ट्रीय जैविक संस्थान अपने सभी कार्यकलापों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु प्रगामी रूप में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। हिन्दी भाषा के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विगत कुछ समय से इस बात की आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि संस्थान में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को गति प्रदान करने के लिए संस्थान की वेबसाइट में हिंदी पटल सृजित किया जाए जिसमें राजभाषा संबंधी सूचना, सहायक सामग्री, विशेष गतिविधियों को शामिल किया जाए । इसी के दृष्टिगत संस्थान के निदेशक महोदय के कुशल मार्गदर्शन में यह हिन्दी पटल सृजित किया गया है।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान में संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इसके लिए निम्नलिखित उपाय किए गए है/किए जा रहे हैं :-

- संस्थान के निदेशक महोदय की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के दृष्टिगत संस्थान में राजभाषा हिन्दी में किए जा रहे कामकाज की समीक्षा की जाती है और इसे लक्ष्योन्मुखी बनाने के लिए आवश्यक निर्णय लिए जाते हैं तथा लिए गए निर्णयों पर अनुपालनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।
- संस्थान के कार्मिकों को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित एवं प्रशिक्षित करने हेतु नियमित रूप से हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यशालाओं में कार्मिकों को यह बताया जाता है कि वे मुख्य धारा के कार्य राजभाषा नियम तथा अधिनियम के तहत अनुशासित रहते हुए निष्पादित करें। साथ ही, कार्यालयी भाषा में सरल हिन्दी का प्रयोग करें। इसके अलावा, भाषा को व्यवहारिक रूप प्रदान करने के

लिए भारत के संविधान की अष्टम अनुसूची में दी गई भारतीय भाषाओं के पद, रूप और शैलियों को आत्मसात करते हुए अपना शब्द भण्डार बढ़ाएं।

- संस्थान के कार्मिकों को अधिक से अधिक अपना कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी हिंदी पुरस्कार प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत अनुभागों के आधार पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं ।
- कार्मिकों के बीच हिन्दी के प्रति प्रेम, निष्ठा और सौहार्दपूर्ण वातावरण तैयार करने के लिए समय-समय पर अन्य संबंधित कार्यकलापों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता हैं। सितंबर माह में हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा आयोजित किया जाता है, जिसके तहत हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी टिप्पण-आलेखन एवं राजभाषा ज्ञान, हिन्दी काव्य पाठ, हिन्दी कहानी पाठ एवं चित्रकथा लेखन, आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है तथा विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं।
- संस्थान द्वारा जारी किए जाने वाले त्रैमासिक समाचार-पत्रिका तथा अर्ध-वार्षिक हीमोविजिलेंस समाचार-पत्रिका को अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी प्रकाशित किया जाता है ।
- संस्थान की प्रयोगशालाओं में आमतौर पर प्रयोग में लाए जाने वाले अंग्रेजी शब्दों का हिंदी रूप तैयार किया गया है जिसे वेबसाइट के हिंदी पटल में अपलोड किया गया है ।
- संस्थान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित की जाने वाली राजभाषा कार्यान्वयन एवं समीक्षा बैठकों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करता है ।
- संस्थान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय), नौएडा का सदस्य है तथा इसके द्वारा आयोजित की जाने वाली छमाही बैठकों एवं अन्य गतिविधियों में भाग लेता है ।
- संस्थान को वर्ष 2021-22 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नोएडा द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नोएडा के तत्वावधान में वी.वी. गिरी श्रम संस्थान, नोएडा द्वारा सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 16 दिसंबर, 2022 को आयोजित की गई निबंध लेखन प्रतियोगिता में संस्थान के 02 वैज्ञानिकों को

हिंदीभाषी वर्ग तथा हिंदीतर भाषी वर्ग में अर्थात दोनों ही वर्गों में प्रथम पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

- संस्थान के कार्मिको को हिंदी भाषा में प्रवीण बनाने हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से संस्थान परिसर में ही हिंदी पारंगत कक्षा प्रशिक्षण संचालित किया गया ।

"हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य को सर्वांगसुन्दर बनाना हमारा कर्तव्य है।"

-डॉ. राजेंद्र प्रसाद